



हिमाचल प्रदेश जायका कृषि परियोजना-II

विशेष डायरी

हमीरपुर: 30 मई 2026



हिमाचल प्रदेश फसल विविधीकरण प्रोत्साहन परियोजना-II के अंतर्गत किसान सहायता गतिविधियों को सशक्त बनाने हेतु रणनीतिक समीक्षा बैठक आयोजित



मंडी, 29 मई: हिमाचल प्रदेश फसल विविधीकरण प्रोत्साहन परियोजना-II के अंतर्गत जिला परियोजना प्रबंधक कार्यालय, मंडी में डॉ. अशोक कुमार, डीपीडी (ए एंड ई) की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला परियोजना प्रबंधक डॉ. हेम राज वर्मा, पीएमसी विशेषज्ञ डॉ. आर.के. शर्मा एवं डॉ. पी.एल. शर्मा सहित बीपीएमयू मंडी एवं गोहर के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य किसान सहायता घटक के अंतर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा करना तथा परियोजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान करना था।

इस दौरान अध्यक्ष ने किसान विकास संघों (केवीए) के गठन एवं पंजीकरण की प्रगति की समीक्षा करते हुए शेष केवीए के पंजीकरण कार्य को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही रबी सीजन 2025-26 से संबंधित मॉनिटरिंग शीट्स तथा उप-परियोजना विकास योजनाओं (एसडीपी) के आंकड़ों के सत्यापन पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में न्यूट्री वेजिटेबल किचन गार्डन (एनवीकेजी) तथा संयुक्त संवेदनशील समूहों (जेवीजी) की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

विस्तार अधिकारियों को प्रत्येक उप-परियोजना में कम से कम दो एनवीकेजी स्थापित एवं नियमित

रूप से मॉनिटर करने तथा आवश्यक अभिलेखों के रखरखाव के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त जेवीजी गतिविधियों को राज्य परियोजना प्रबंधन इकाई द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप संचालित करने पर बल दिया गया। पीएमसी विशेषज्ञ डॉ. आर.के. शर्मा ने एनवीकेजी स्थापना में निर्धारित



मैनुअल का पालन करने तथा एसएचडीपी हटिकोण अपनाते वाले किसानों को निकटवर्ती बाजारों से जोड़ने पर जोर दिया, ताकि उन्हें बेहतर विपणन अवसर उपलब्ध हो सकें।

उन्होंने मॉडल उप-परियोजनाओं एवं मॉडल वलस्टों में अधिकतम कार्यक्रम गतिविधियां संचालित करने तथा निर्धारित प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों (केपीआई) की प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। ग्रीष्मकालीन मौसम 2026 के अंतर्गत आयोजित प्रदर्शनों की समीक्षा करते हुए पीएमसी विशेषज्ञ डॉ. पी.एल. शर्मा ने विस्तार

अधिकारियों को प्रदर्शन गतिविधियों की पूर्व योजना तैयार कर समय रहते प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने ख्यालान्न उत्पादकता घटक के अंतर्गत मोटे अनाजों के प्रदर्शनों को लाइन बुवाई पद्धति के माध्यम से बढ़ावा देने पर भी विशेष बल दिया।

बैठक में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के विषय पर भी चर्चा की गई। सभी बीपीएमयू को कम से कम एक प्राकृतिक खेती गांव की पहचान कर वहां प्राकृतिक खेती की गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त प्रत्येक उप-परियोजना की अद्यतन सूची एवं अभिलेख तैयार रखने पर भी जोर दिया गया, ताकि निरीक्षण एवं समीक्षा के दौरान परियोजना की उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जा सके।

बैठक के समापन अवसर पर डॉ. अशोक कुमार ने सभी बीपीएमयू को घटकवार लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति, सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करने, कम्युनिटी मोटिवेटर्स से संबंधित लक्ष्यों को पूरा करने तथा केवीए के अंतर्गत प्रभावी संचालन एवं रखरखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजनाबद्ध क्रियान्वयन, नियमित निगरानी एवं समन्वित प्रयासों के माध्यम से ही परियोजना के उद्देश्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त किया जा सकता है तथा किसानों को स्थायी लाभ पहुंचाया जा सकता है।